

भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) का वसितार

स्रोत: द द्रिष्टि

हाल ही में भारत ने भारतीय सांकेतिक भाषा (ISL) शब्दकोष में अंग्रेज़ी और हदी के शब्दों सहित लगभग 2,500 नए शब्द जोड़े हैं, जैसे- आधार कार्ड, ब्लॉकचेन, उरसा नेबुला आदि।

- अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दविस 2024 के उत्सव के दौरान "सांकेतिक भाषा अधिकारों के लिये साइन अप करें" थीम के साथ नए शब्द जोड़े गए।
 - संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2017 में 23 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दविस के रूप में घोषित किया गया था, जैसा पहली बार वर्ष 2018 में मनाया गया था।
 - वशिव बधरि संघ (WFD) की स्थापना 23 सितंबर, 1951 को हुई थी।
- ISL के वसितार से बधरि समुदाय की सहभागिता विशेष रूप से वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और इंटरनेट संबंधी संदर्भों में सुगम हुई।
- ISL शब्दकोष के वसितार का नेतृत्व भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (ISLRTC) ने किया।
 - ISLRTC एक स्वायत्त संगठन है जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत स्थापित है और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अधीन कार्य करता है।
- यह शोध, शैक्षिक पहुँच को बढ़ावा देने और भाषाई प्रणाली के रूप में भारतीय सांकेतिक भाषा को बढ़ावा देने के लिये समर्पित है।

और पढ़ें: द्विभांग व्यक्तियों को सशक्त बनाना